IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

प्रवासी भारतीय एवं भारतीय मीडिया का दृष्टीकोण

डॉ.शिवम् चतुर्वेदी

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

हिन्दी और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

अरुणाचल यूनिवर्सिटी आफ स्टडीज ,नाम्साई,

अरुणाचल प्रदेश

प्रवासी भारतीय से तात्पर्य उन भारतीयों से है जो भारत के मूल निवासी है ,परन्तु किसी कारण से वह अन्य देश के निवासी हो गये है | स्वतंत्रता से पूर्व ही भारत के लोग रोजगार व शिक्षा के उद्देश्य से लोग विश्व के अन्य देशों में जा बसे | परन्तु उनको भारतीय मूल का ही माना जाता है | उन लोगों का भी अपने देश के प्रति लगाव व देशभक्ति दिखाई पड़ता है | विश्व के लगभग 48 देशों में प्रवासी भारतीय फैले हुए है | इनकी जनसंख्या लगभग 2 करोड़ है | इनमें से 11 देश ऐसे है ,जहाँ पर इनकी जनसंख्या 5 लाख से ज्यादा है और वहां की आर्थिक व राजनीतिक दशा एवं दिशा को तय करने में वे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते है | यहाँ पर इनकी शैक्षणिक ,व्यावसायिक और आर्थिक दशा काफी सुदृढ़ है | जहाँ -जहाँ प्रवासी भारतीय बसे हुए है वहां वे उस देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत किये हुए है | प्रवासी भारतियों की अपनी भाषा एवं सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्य बनाये रखने के कारण ही उनकी एक अलग पहचान मिली है और यही कारण है कि उन्हें भारत से आज भी गहरा लगाव है | प्रवासी भारतीय मजदूर ,व्यापारी ,शिक्षक ,अनुसंधानकर्ता ,खोजकर्ता ,डॉक्टर ,वकील ,इंजीनियर ,प्रबंधक प्रशासक आदि के रूप में विश्व में स्वीकार किये गये है | प्रवासी भारतियों की सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच ,सांस्कृतिक मूल्यों ,और शैक्षणिक योग्यता को दिया जाता है | वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीकी के क्षेत्र में क्रान्ति के लिए इनका महत्वपूर्ण भूमिका है | जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इनकी छवि निखरी है | प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी को मनाया जाता है क्योंकि की इसी दिन महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापस आये थे | यह 2003 से मनाया जाता है | प्रवासी भारतीयों को अनेक प्रकार की समस्याओ को झेलना पड़ता है | उन्हें अनेक प्रकार की परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है | पर यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस देश में निवास करते है | क्योंकि प्रत्तेक देश का अपना -अपना नियम कानून है तथा सभी का प्रवासियों के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण है| अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रवासियों की भूमिका का मूल्यांकन

किया जाय तो यह देखा जाता है कि इन लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया है | प्रवासी भारतीय मजदूर से लेकर साफ्टवेयर इंजिनियर के रूप में कार्यरत हैं | इन अनिवासी भारतियों का इनके कार्य के कारण एक अलग पहचान है | 18 वीं शताब्दी में गिलगीतिया मजदूर के रूप में ये द.अफ्रीका में गये |परन्तु वहाँ के शासकों के द्वारा हमेशा उन पर भेदभावपूर्ण नियम कानून बनाये गये | जिसके कारण इनको समय पर आवाज उठानी पड़ी | महात्मा गाँधी जो एक वकील ,पत्रकार एवं नेता के रूप में भारतीय मजदूरों की समस्याओं पर आवाज उठाई | कुछ देश ऐसे भी है जहाँ प्रवासी भारतीयों की संख्या उस राष्ट्र के निवासी के समान हो गयी है, जैसे मारिशस ,फिजी सूरीनाम,ट्रिनिडाड आदि जहाँ पर भारतीय मूल के द्वारा शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है |

आज विकशित तथा विकाशील देशों में प्रवासी भारतीय बहुसंख्यक रूप में निवास करते है | उनका भारतीय संस्कृति,सभ्यता एवं परम्पराओं पर पूरा विश्वास है | वे भारतीय संस्कृति से जुड़ा रहना चाहते है तथा अपने अन्दर उस संस्कृति को जिवंत रखना चाहते है | कुछ देश के प्रवासी यह विश्वास करते है कि 'निज भाषा उन्नति अहै सब भाषा के मूल" | वे अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व करते है | जिसका परिणाम यह है कि इनका भारत के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका है | जिसके परिणामस्वरूप भारत सरकार भी उनका भारत में पूरा मान एवं सम्मान प्रदान करती है | भारत सरकार के द्वारा 2019 में 15वीं भारतीय प्रवासीय दिवस मनाया गया | जिसका भारतीय एवं अन्तेर्राष्ट्रीय मीडिया के द्वारा सराहा गया | पूरे विश्व से 21 से 23 जनवरी 2019 को वाराणसी में सभी लोग एकत्रित होकर अपनी संस्कृति एवं सभ्यता पर विचार-विमर्श किये | उनका आज भी भारत के प्रति आत्मिक लगाव है | वे देश का उत्थान करना चाहते है | उन्हे अपने देश की मिट्टी की खुशबू भांती है | वह अपने पूर्वजों की यादों को सजोयें रखना चाहते है|प्रवासी भारतीय आसानी से पारागमन कर सकें,इसके लिए वर्तमान सरकार पासपोर्ट एवं वीजा से जुड़े नियमों को सरल बनाने का कार्य कर रही है |

48 देशों में रह रहे प्रवासियों की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ है | इनमें 11 देशों में 5 लाख से ज्यादा प्रवासी भारतीय वहां की औसत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते है | जहाँ कहीं भी विश्व में प्रवासी भारतीय बसे वहाँ उन्होने उस देश के आर्थिक तंत्र को मजबूती प्रदान की है और बहुत कम समय में वहां वे अपना स्थान बना लिये | वे प्रवासी भारतीयों की सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच ,सांस्कृतिक मूल्यों और शैक्षणिक योग्यता को दिया जाता है |

भारत सरकार प्रवासी भारतीयों के लिए 'अपने भारत को जाने' जैसी नवीन योजनाओं तथा युवाओं के लिए अनेक छात्रवृत्ति स्कीम चलायी है | भारत विदेशों में भी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के नेटवर्क का भी विस्तार कर रही है | विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में भारतीय सांस्कृतिक पीठ का सृजन करने की एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाया है | उत्तर प्रदेश तथा बिहार,जहाँ से अधिकांश अनुबंधित श्रमिकों को ले जाया गया था,जैसे राज्यों के सहयोग से 'जड़ों की खोज' नामक परियोजना चलायी गयी है |जिसमें प्रवासी भारतियों की गहरी रूचि है | डायस्पोरा इतिहास और संसाधनों के न्यास तथा डायस्पोरा की क्षमताओं और नेटवर्क को प्रदर्शित करने के लिए दिल्ली में प्रवासी भारतीय केंद्र की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है | अनिवासी भारतियों तथा भारतीय राष्ट्रिकों के वैवाहिक सम्बन्ध टूटने की एक समस्या है | पंजाब,हरियाणा,दिल्ली,आन्ध्र प्रदेश में यह देखा गया है | इस समाधान के लिए अनेक उपाय

किये गए है |जिसमें शादियों का अनिवार्य पंजीकरण और अनिवासी भारतियों के साथ शादियों पर एक दिशा निर्देश पुस्तिका का प्रकाशन हुआ है | प्रवासी कामगारों के लिए व्यापक बिमा मुहैया कराने के लिए प्रवासी भारतीय बीमा योजना का विकास किया गया है |एकल विन्डो प्रणाली का विकास प्रवासी भारतीयों को सुविधा को ध्यान में रखकर प्रवासी भारतीय सुविधा सेल कार्य पद्धति में सुधार की आवश्यकता है |पहले प्रवासी भारतीयों को प्रतिभा पलायन की दृष्टि से देखा जाता था | परन्तु आज उन्हीं प्रवासी भारतीय समूह को 'प्रतिभा बैंक' के रूप में स्वीकार किया जा रहा है | प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का भी यही लक्ष्य है कि प्रवासी भारतियों को भारत से जोड़े रखना |

भारत में मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में माना जाता है | मीडिया किसी भी देश व समाज के लिए महत्वपूर्ण होती है | यह समाज की प्रहरी के रूप में कार्य करती है | इसकी भूमिका को कभी भी नकारा नहीं जा सकता क्योंकि इसकी भूमिका संवाद वहन की होती है | वह समाज के विभिन्न वर्गों,सत्ता केन्द्रों,व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच पुल का कार्य करती है | आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार-पत्र,पत्रिकाओं,टेलीवीजन,रेडियो,इन्टरनेट एवं सोशल मीडिया से लिया जाता है | किसी भी देश की उन्नति व प्रगति में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान होता है | मीडिया देश व समाज का निर्माण व पुनर्निर्माण करता है | मीडिया ही शक्ति है क्योंकि यह सूचना का संवाहक होती है | हमेशा मीडिया का उपयोग लोक परिवर्तन के भरोसेमन्द हथियार के रूप में किया जाता है | स्वतंत्रता आन्दोलन के समय अंग्रेजी की दासता से सिसकते भारतीयों में देश भक्ति एवं उत्साह भरने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाई | मीडिया के ताकत के सामने सभी नतमस्तक है |मीडिया का जनजागरुकता में महत्वपूर्ण योगदान है | प्रवासी भारतीयों को लेकर भी मीडिया ने अपने धर्म कर्तव्य का निर्वहन किया है |

भारत में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता को लेकर एक कहावत है-'चार कोस पर पानी बदले,आठ कोस पर वाणी'| अर्थात भारत में भाषा एवं बोली अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रूप में पाई जाती है | भारत की जनसंख्या लगभग 125 करोड़ है| भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 121 भाषाएँ बोली जाती है | जिनमें से 22 भाषाओँ को संविधान की 8 वीं अनुसूची में मान्यता दी गयी है | जो आधिकारिक विकास की अधिकारिणी है | वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश 44% जनसंख्या के द्वारा हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाता है | राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा प्रयोग में लाये जाने के कारण राष्ट्र भाषा की पदवी प्राप्त की है | भारत में समाचार पत्र-पत्रिकाओं और टेलिविज़न चैनलों में भी भाषाई विविधता पाई जाती है | भारत के समाचार पत्र रजिस्ट्रार के अनुसार- हिंदी भाषा में 1149 पत्रिकाएँ प्रकाशित होती है |उसी प्रकार मराठी में -1578,गुजरती में 1509,तेलगु में 983,रजिस्टर्ड है |

सूचना प्रसारण मंत्रालय के 2016 के आंकड़े के अनुसार अनुसार भारत में 892 टी.वी. चैनल संचालित होते है | जिसमें 380 से अधिक समाचार चैनल के रूप में कार्य करते है | उन समाचार चैनलों में से प्रत्तेक 10 दक्षिण भारतीय भाषाओँ में तमिल,कन्नड़,तेलगु और मलयालम है और लगभग 40 हिंदी समाचार चैनल भी है | भारतीय मीडिया जो राष्ट्रीय मुख्यधारा में कार्य करती है,वे भारतीय महानगर दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरु, हैदराबाद जैसे महानगरीय चैनलों में हिन्दी टेलीवीजन चैनल और अंग्रेजी चैनल के रूप में संचालित होते हैं| भारत में अनेक मीडिया

ग्रुप कार्य करते है | जिनमें इण्डिया ग्रुप, जी मीडिया, नेटवर्क 18, ए.बी.पी., जैसे बड़े मीडिया हाउस लोकप्रिय हिन्दी समाचार चैनल के रूप में संचालित हो रहे है |उसीप्रकार प्रिन्ट मीडिया के क्षेत्र में भी अनेक समूह कार्य कर रहे है | जैसे टाइम्स ग्रुप , हिन्दुस्तान ,पायनियर ,दैनिक जागरण,भाष्कर, अमर उजाला,आदि |

भारत में मीडिया का स्वरूप राष्ट्रीय समाचार और स्थानीय या क्षेत्रीय समाचार के बीच एक निश्चित अंतर है |एक तरफ जहाँ दिल्ली राजनितिक केंद्र होने के कारण से राष्ट्रीय समाचार प्रवाहित होते है, वही राज्यों में क्षेत्रीय समाचार का प्रवाह होता है | यह विभाजन प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया दोनों स्तर पर देखी जा सकती है | वह सीमित संख्या में है ,परन्तु क्षेत्रीय समाचार चैनलों की संख्या में अधिकाधिक रूप से वृद्धि हुई है | द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया अंग्रेज़ी दैनिक समाचार पत्र के लगभग 13 मीलियन से अधिक पाठक संख्या है | यह देश में सबसे बड़ा अंग्रेज़ी समाचार-पत्र है | जबकि 20 दैनिक समाचार पत्रों में यह11 वें स्थान पर है | इस सूची में हिन्दी दैनिक,दैनिक जागरण शीर्ष स्थान पर है, इसके 70.37 मीलियन पाठक है |शीर्ष 10 में भी तीन क्षेत्रीय भाषाई समाचार-पत्र है |तमिल का डेली थान्थी 12 मीलियन पाठकों के साथ 8 वें स्थान पर है | वहीँ तेलगु दैनिक इनाडु 15.8 मीलियन पाठकों के साथ नवें स्थान पर है | यह सभी क्षेत्रीय मीडिया व भाषाओँ के प्रभाव को दर्शाती है |

भारत भाषाई ,सांस्कृतिक ,एवं जातिय रूप से विविधता से भरा हुआ देश है | और इसकी मीडिया उपभोग की प्रवृत्तियां भी उतनी ही विविध है | यह कहा जा सकता है कि भारत में एक राष्ट्रिय मीडिया है | जो अपनी मुख्य हार्ट लैंड और अंग्रेजी मीडिया के साथ कुछ हिंदी बोलने वाले राज्यों को कवर करता है और भौगोलिक पहुँच के सन्दर्भ में इसकी व्यापक उपस्थिति है |भारतीय मीडिया राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय रूप में विभाजित दिखाई पड़ती है | परन्तु सभी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करती है |सभी का लक्ष्य सूचना, शिक्षा, जागरूकता, प्रेरणा एवं पत्रकारीय धर्म है | जनता से सम्बन्धित हर प्रकार की गतिविधियाँ इनके द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, प्रवासी भारतीयों को लेकर भी भारतीय मीडिया अपने पत्रकारिय धर्मों का पूर्ण निर्वहन करती है तथा उनसे सम्बन्धित सभी जानकारी लोगों तक पहुचानें का कार्य करती है | इनसे सम्बन्धित समस्याओं को भी राष्ट्रिय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर प्रस्तुत करने का कार्य करती है |

मीडिया के द्वारा प्रवासी भारतियों की समाचार को बढ़-चढ़कर के प्रस्तुत किया जाता है | मीडिया के द्वारा इसे विशेष खबर के रूप में प्रस्तुत किये जाता है |प्रवासी भारतीयों से सम्बंधित घटनाओं को बड़े ही सतर्कता पूर्वक प्रस्तुत किये जाता है | मीडिया के द्वारा ही उनकी समस्याओं को उजागर करने पर सरकार त्वरित गति से कार्यवाई करने का प्रयास करती है | उनकी बहुत सी समस्याएँ मीडिया के द्वारा ही प्राप्त हो पाती है |प्रवासी भारतीय लेखकों एवं पत्रकारों का हिंदी पत्रकारिता के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है | हिंदी पत्रकारिता को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में प्रवासी भारतीयों का अद्भुत योगदान रहा है | अपने वतन को विश्व स्तर के अनुभवों के साथ जोड़ने में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया है | विदेशों में रह-रहे अनिवासी भारतीय अपने भारत से केवल अपनी संस्कृती एवं सभ्यता को लेकर गए ,उन्होने अपनी लेखनी के द्वारा भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को एक नयी पहचान दिलाई | वे अपनी भाषा एवं संस्कृति को बचाए रखे, जिसके लिए उन्हें अनवरत संघर्ष

करना पड़ा | उनका चितंन इतना प्रतिफलित हुआ कि वह प्रवासी साहित्य के रूप में एक अलग पहचान बनाई परन्तु वह भारतीय साहित्य का अभिन्न अंग है| वशुधैव कुटुम्बकम एवं सत्यम शिवम् सुन्दरम् की अवधारणा प्रवासी भारतीय साहित्यकारों ने विश्वस्तर पर फैलाया | प्रवासी भारतीयों के लेखन में प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृति के बीच सामंजस्य का स्वरूप दिखाई पड़ता है | विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता को बढ़ावा देने में प्रवासी पत्रकारों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है | प्रवासी भारतीय पत्रकारों में भारतीय सोच एवं चिंतन दिखाई पड़ती है |

भारतीय संचार माध्यम के अन्तर्गत टेलीवीजन. रेडियो, सिनेमा ,समाचारपत्र-पत्रिका, तथा सोशल मीडिया आदि है | भारत में 70,000 से अधिक समाचार पत्र प्रकाशित होते है | 690 उपग्रह चैनल है,इसमें 80 समाचार चैनल है | आज भारत विश्व का सबसे बड़ा समाचार पत्र बाजार है | इंटरनेट के प्रभाव से मीडिया के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है | सोशल मीडिया का क्रन्तिकारी बदलाव हुआ है | सोशल वेब साईट के कारण मीडिया का समागम हुआ है | सूचना प्रवाह की गति में तीव्रता आयी है | भारतीय सूचना व्यवस्था में गति लाने के लिए सरकार के द्वारा भी बहुत सारे कदम उठाये गये है |

भारत सरकार ने नयी दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र की स्थापना की है | 24 अगस्त 2013 को तात्कालिक प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के द्वारा उद्घाटन किया गया | भारत के सूचना प्रसारण मंत्रालय के अनुसार इस मीडिया केंद्र का वाशिंगटन और टोक्यो जैसी विश्व की कुछ विकशित देशों की राजधानियों में स्थित मीडिया केंद्र की तर्ज पर तैयार किया गया है | इस परियोजना का उद्देश्य सरकार की नीतियाँ और कार्यक्रमों को लेकर सूचना का प्रचार-प्रसार करना है | यह मीडिया केंद्र सूचना प्रसार के लिए आधुनिक प्रोद्योगिकी से लैस है | इस संस्था के द्वारा भी अनिवासी भारतीयों को लेकर सूचना एवं अद्यतन समाचार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किये जाते | इसी प्रकार भारत सरकार का पत्र सूचना कार्यालय (पी.आई.बी.) भारत सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के बारे में समाचार-पत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को सूचना देने वाली प्रमुख एजेंसी है | यह प्रेस विज्ञप्तियों,प्रेस नोट, विशेष लेख,सन्दर्भ सामग्री,प्रेस ब्रीफिंग,फोटोग्राफ,संवाददाता सम्मेलन,साक्षात्कार,प्रेस दौरे आदि वेबसाइट के माध्यम से सर्वत्र सूचना पहुचानें का कार्य त्वरित गति से करते है | प्रवासी भारतीय को लेकर यदि किसी प्रकार का नीतिगत निर्णय लिया जाता है | तो उसके प्रचार-प्रसार में यह संस्था महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है | प्रवासी भारतियों से सम्बंधित औपचारिक एवं अनौपचारिक सूचना को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुचानें में अच्छी भूमिका का निर्वहन करते है |

जनसंचार के सभी माध्यमों में हिंदी भाषा की पकड़ काफी मजबूत हुयी है | हिंदी का प्रयोग,हिन्दी के कार्यक्रम एवं हिंदी संचार माध्यमों का विकाश हुआ है | समाचार पत्र-पत्रिकाओं ,आकाशवाणी,दूरदर्शन,अन्य निजी चैनलों,विज्ञापन तथा सोशल साईट्स आदि माध्यमों में अब हिंदी छाई हुई है | जिसका कारण देश एवं विदेश में फैले हुए हिंदी भाषा-भाषी है | उनके लिए एक सुखद अनुभति है | वर्तमान समय में भाषा की भूमंडलीकरण करने में उसके बोलनें वालों की संख्या, हिंदी फ़िल्में, पत्र-पत्रिकाएँ, विभिन्न हिंदी चैनल, हिंदी का विश्वस्तरीय साहित्य तथा साहित्यकार आदि का विशेष योगदान है | हिंदी तथा हिंदी पत्रकारिता को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने में अनिवासी भारतियों की भूमिका

महत्वपूर्ण है | इंटरनेट एवं सोशल मीडिया की भी भूमिका महत्वपूर्ण रही है |अनिवासी भारतीयों की हिंदी माध्यमों का प्रयोग करने से उनकी भारतवर्ष से काफी जुड़ाव बढ़ा है | आधुनिक मीडिया प्रवासी भारतीयों को भारत से जुड़ें रहने का एक सशक्त माध्यम के रूप में देखा जा सकता है | प्रवासी भारतीयों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिए जन संचार माध्यम एक सशक्त माध्यम है | मीडिया लोगों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ने का कार्य करती है | दूर रहते हुये भी वे अपनी संस्कृति,सभ्यता,परम्पराओं ,रीतिरिवाज,गीत-संगीत आदि से जुड़ें हुए है | मीडिया एकदूसरे की गतिविधियों से जोड़ने का कार्य करती है | आज भारत में हिंदी चैनलों की संख्या लगातार बढ़ रही है | बाजार की स्पर्धा के कारण ही पहले अंग्रेजी चैनलों का हिंदी में रुपान्तरण हो रहा है | इस समय हिंदी में एक लाख से ज्यादा ब्लागर उपलब्ध है | जो वैचारिक रूप से लोगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोडनें का कार्य करता है | अनिवासी भारतीय भी ब्लाग,फेसबुक,ट्विटर,लिंकदीन एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से एकदूसरे से जुड़े है तथा एकदूसरे की गतिविधियों की जानकारी लोगों को मिलती रहती है | अब पत्र-पत्रिकाओं का इंटरनेट पर उपलब्ध होने के कारण प्रवासीय भारतियों की गतिविधियाँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखी जा सकती है | आज सम्पूर्ण भारतीय मीडिया अनिवासी भारतीयों को भारत से जुड़ने में सहायक सिद्ध हुई | हिंदी के वैश्विक स्वरूप एवं प्रवासी भारतीय के विचार संचार माध्यमों में देखा जा सकता है | संचार माध्यमों ने हिंदी के वैश्विक रूप को गढ़ने में पर्याप्त योगदान दिया है | मीडिया संस्कृति के वाहक के रूप में कार्य करती है | मीडिया के माध्यम से आज प्रवासी भारतीय भारत से जुड़े रहने में सहायक होती है | उसी प्रकार हिंदी भाषा भी अनिवासी भारतियों को आपस में जोड़ने का कार्य करती है | विदेशों में रहकर भी ये लोग अपनी मतृभाषा को जीवन्त रखे हुए है |मीडिया में प्रसारित कार्यक्रमों से प्रवासी भारतियों के सोच,भारतीय लगाव, भाषा एवं संस्कृति का लगाव तथा समाज के बदलती सच्चाई हिंदी के बहाने ही उजागर हो रही है | डिजिटल दुनियाँ में भी हिंदी की माँग अंग्रेजी की तुलना में पांच गुना ज्यादा तेज है | हिन्दी के प्रयोग एवं प्रचार प्रसार के कारण भारत की तस्वीर लोगों के बिच में बदली है | आज स्मार्ट फोन एवं सोशल मीडिया के कारण प्रवासी भारतीयों को वैचारिक आदान -प्रदान के कारण भारत की तस्वीर लोगों के बीच में बदली है | आज स्मार्ट फोन एवं सोशल मीडिया के कारण प्रवासी भारतीयों से वैचारिक आदान-प्रदान के कारण नजदीकी बढ़ी में है |प्रवासियों को अपने देश भारत से जोड़ने में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | मीडिया में अनिवासी भारतीयों को अपने देश के बारे में जानने,बदलाव को समझने तथा अपने मिट्टी से जोड़ने के लिए लालायित कर दिया है |आज प्रत्तेक भारतीय को अपने भारतीय होने का गर्व है | प्रवासी भारतियों को लेकर मीडिया का दृष्टिकोण हमेशा सकारात्मक रही है | मीडिया हमेशा प्रवासियों की समस्या को आम भारतीय की समस्या की तरह प्रस्तुत करती है | उनकी उपलब्धियों को भी भारतीय उपलब्धि के रूप में मीडिया के द्वारा प्रस्तुत की जाती है | मीडिया प्रवासियों की हर प्रकार की गतिविधयों को प्रस्तुत करने का प्रयास करती है क्योकि हर भरतीयों की प्रवासियों के समाचार में पूरी रूचि होती है |लोग उसे जानना,सुनना,समझना एवं सहभागिता चाहते है |मीडिया का दृष्टिकरण हमेशा भारतीय दृष्टिकोण रहती है | भारत सरकार को उनकी गतिविधियों से परिचित एवं जागरूक रखती है | सोशल मीडिया के कारण भारतियों एवं प्रवासी भारतीयों के बीच नजदीकी बढ़ी है,जो दोनों के लिए अच्छा है | मीडिया के कारण ही प्रवासी भारतीयों की स्थिति की सूचना राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त होती है |

सन्दर्भ ग्रन्थ -सूचि

1 .हिरण्यमय कार्लेकर (2002) द मीडिया: इवोल्यूशन,रोल एंड रिस्पांसिबिलिटी |

2 .अम्बिका प्रसाद बाजपाई (1998) समाचार-पत्रों का इतिहास ,ज्ञान मण्डल, वाराणसी |

3. एम.एन.वोहरा और सत्यसाची भट्टाचार्य (सम्पा.) लुकिंग बैक: इण्डिया इन ट्वेंटीयेथ सेंचुरी, एन.बी.टी.और आई.सी.सी.,नयी दिल्ली |

4. मोहित मयित्रा (1993) ए हिस्ट्री आफ जर्नलिज्म, नेशनल बुक एजेन्सी ,कोलकाता |

5. आर.पार्थसारथी (1989) जर्नलिज्म इन इंडिया: फ्रॉम द अर्लिएस्ट टाइम्स टू प्रेजेंट डे ,स्ट्लिंग पब्लिसर्स .नयी दिल्ली |

6. पी.सी.चटर्जी (1974) ब्राडकास्टिंग इन इंडिया ,रोज पब्लिशर्स ,नई दिल्ली

7. एस.पी.शर्मा (1996) द: प्रेस: सोसिओ-पोलिटिकल अवेकनिंग ,मोहीत पब्लिकेशन नई दिल्ली |

8. के.एस.नायर (1998) ग्रेजुअटिंग फ्रॉम इनफार्मेशन साईडवाक टू हाईवे ,इंडिया एब्राड |

9. डॉ. कमल किशोर गोयनका - हिंदी का प्रवासी साहित्य ,भूमिका शब्द योग | विश्व हिंदी रचना ,भारतीय संस्कृति सम्बन्ध परिषद ,नयी दिल्ली |

10. उषा राजे सक्सेना - प्रवासी हिंदी लेखन तथा भारतीय हिंदी वर्तमान साहित्य |

13. http://www.mahuanews.com

14. http://www.mppost.com.sidilir.pages.phb

15. http://www.p 7 news.com/country /१९७४